



ग्रामीण पर्यटन

प्रलिस के लयः

ग्रामीण पर्यटन, पर्यटन मंत्रालय, भारतीय वरिसत स्थल, ग्राम समूह, भारत भ्रमण 2023 ।

मेन्स के लयः

ग्रामीण पर्यटन, महत्त्व और चुनौतियाँ ।

चर्चा में क्यों?

पर्यटन मंत्रालय के ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे (CNA- RT & RH) प्रभाग ने ग्रामीण भारत में आने के इच्छुक पर्यटकों हेतु वशिष्ट क्षेत्रों की पहचान की है, जनिमें कृषिपर्यटन, कला एवं संस्कृति, इकोटूरज्म, वन्य जीवन, जनजातीय पर्यटन तथा होमस्टे शामिल हैं ।

- पर्यटन मंत्रालय परतसिपरवधी और स्थायी तथा जमिमेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के व्यापक लक्ष्य को प्रापत करने हेतुराज्य मूल्यांकन एवं रैकगि मानदंड स्थापति करने पर भी काम कर रहा है ।

प्रमुख बडु

- उद्देश्यः**
 - इस पहल का उद्देश्य बड़े पैमाने पर बुनयादी ढाँचे के वकिस के बजाय धारणीय वकिस पर ज़ोर देना है ।
 - इसका उद्देश्य स्थानीय संसाधनों तथा गाँवों में रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा देकर समुदायों को अद्वितीय जैवकि अनुभव प्रदान करना है ।
 - पर्यटन मंत्रालय बजट तैयार करने की प्रक्रिया में है, जसिमें ज़िला स्तर पर कुछ प्रशक्तिषण मॉड्यूलस 100% केंद्र द्वारा वतितपोषति कयि जाएंगे, जबकि अन्य मामलों में 60% केंद्र और 40% राज्य द्वारा वतितपोषति होंगे ।
- ग्राम समूहः**
 - लगभग पाँच से सात गाँवों के समूह/क्लस्टर चहिनति कयि जाएंगे ।
 - ये क्लस्टर लंबी दूरी के साथ अलग-अलग गाँवों की ग्रामीण पर्यटन परयोजनाओं की तुलना में पर्यटकों को अधिक आकर्षति करेंगे ।
 - ये शलिप बाजारों के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के वपिणन में ग्राम समूह को सहायता प्रदान करेंगे ।

ग्रामीण पर्यटन की अवधारणाः

- परचियः**
 - भारत में ग्रामीण पर्यटन, ग्रामीण जीवन-शैली और संस्कृति की खोज तथा अनुभव पर केंद्रति है ।
 - इसमें स्थानीय संस्कृति और जीवन के प्रतगिहरी समझ वकिसति करने के लयिग्रामीण क्षेत्रों की यात्रा करना और खेती, हस्तशलिप एवं गाँव की सैर जैसी वभिन्नि गतविधियों में भाग लेना शामिल है ।
 - उदाहरण के लयि तमलिनाडु का कोलुककुमलाई वशिष का सबसे ऊँचा चाय बागान है; केरल में देवलोकम नदी के कनारे एक योग केंद्र है; नगालैंड का कोन्याक टी रटिरीट आदि आगतुकों/पर्यटकों को आदवासी संस्कृति को समझने-जानने में मदद करते हैं ।
- वसितारः**
 - भारत की ग्रामीण पर्यटन कषमता इसकी वविधि और जीवंत संस्कृति, हस्तशलिप, लोक कलाओं, त्योहारों और मेलों में नहिति है ।
 - एक अमेरकि मार्केट रसिर्च कंपनी, ग्रैंड व्यू रसिर्च के अनुसार, कृषिपर्यटन उद्योग वर्ष 2022 से 2030 तक 11.4% की चकरवृद्धि वार्षकि वृद्धिदर (CAGR) से बढ़ने की संभावना है ।
- महत्त्वः**

- ग्रामीण पर्यटन न केवल स्थानीय कला और शिल्प को नई ऊर्जा प्रदान करने के साथ व्यवहार्य पारंपरिक व्यवसायों को वसिथापति होने से रोक सकता है, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों के पुनर्विकास एवं ग्रामीण जीवन को पुनः जीवंत करने, रोज़गार तथा नए व्यावसायिक अवसर पैदा करने में भी मदद करेगा।

■ लाभ:

- बाह्य-परवासन में कमी, वैकल्पिक व्यापार के अवसरों में वृद्धि
- उद्यमशीलता के दायरे में वृद्धि
- गरीबी उन्मूलन में मदद
- सामुदायिक सशक्तीकरण
- कला और शिल्प
- वरिष्ठ संरक्षण

भारत में ग्रामीण पर्यटन के लिये चुनौतियाँ:

■ बुनियादी ढाँचे की कमी:

- ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर अच्छी सड़कों, बजिली और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव होता है, इसे पर्यटकों को आकर्षित करने की दृष्टि में एक बाधा के रूप में देखा जाता है।
- अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा भी आगंतुकों/पर्यटकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने की स्थानीय समुदायों की क्षमता को कम कर सकता है।

■ जागरूकता की कमी:

- पर्यटकों और स्थानीय समुदायों के बीच ग्रामीण पर्यटन के बारे में जागरूकता की कमी पर्यटन क्षेत्र के विकास में बाधा उत्पन्न करती है।
- बड़ी संख्या में लोग पर्यटन स्थलों के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों की क्षमता और पर्यटन से स्थानीय समुदायों को होने वाले लाभों से अनजान हैं।

■ नमिन आय और बेरोज़गारी:

- ग्रामीण क्षेत्र अधिकांशतः नमिन-आय स्तर और उच्च बेरोज़गारी दर से पीड़ित होते हैं।
- इससे स्थानीय समुदायों के लिये पर्यटन के बुनियादी ढाँचे में निवेश करना और आगंतुकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करना मुश्किल हो सकता है।

■ पारस्थितिकी के लिये खतरा:

- यदि इसे ठीक से प्रबंधित नहीं किया गया, तो ग्रामीण पर्यटन में स्थानीय समुदायों और पर्यावरण को नुकसान होने की संभावना है।
- भीड़भाड़, प्रदूषण और प्राकृतिक आवासों का वनाश स्थानीय पारस्थितिकी तथा संस्कृतिको नुकसान पहुँचा सकता है, जो लंबे समय तक आगंतुकों को यहाँ आने से रोक सकता है।

■ सुरक्षा चिंताएँ:

- उचित सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में असुरक्षित महसूस कर सकते हैं, जिससे पर्यटन अनुभव और गंतव्य के प्रति नकारात्मक छवि बन जाती है।

संबंधित पहल:

- सरकार ग्रामीण पर्यटन स्थलों के रूप में विकास के लिये परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) और [मशिन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट इन नॉर्थ ईस्ट रीजन \(MOVCD-NER\)](#) के तहत वकिसति जैविक कृषि क्षेत्रों की खोज कर रही है।
- देश भर से सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव का चयन करने और देश में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये हाल ही में [मैस्ट टूरिज़्म वल्लेज कॉम्पटिशन पोर्टल](#) लॉन्च किया गया।
 - 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता' तीन चरणों में आयोजित की जाएगी और इसके लिये ज़िला स्तर, राज्य स्तर और अंत में राष्ट्रीय स्तर पर प्रवर्षितियों मांगी जाएंगी।
- पर्यटन मंत्रालय ने देश की [वभिन्न पर्यटन पेशकशों को उजागर करने और उन्हें वैश्विक पर्यटकों के सामने प्रदर्शित करने के लिये](#) भारत में आने वाले यात्रियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए [वज़िटि इंडिया ईयर- 2023](#) की शुरुआत की है।
- ['तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक वरिष्ठ संवर्द्धन अभियान' \(National Mission on Pilgrimage Rejuvenation and Spiritual Heritage Augmentation Drive- PRASHAD\)](#) को पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2015 में लॉन्च किया गया था।
 - अभी तक प्रसाद (PRASHAD) योजना के तहत 1586.10 करोड़ रुपए की कुल 45 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है।
- वर्ष 2014-15 में आरंभ [सुवदेश दर्शन योजना](#) देश में थीम-आधारित पर्यटन सर्कटि के एकीकृत विकास पर ध्यान केंद्रित करती है।
 - थीम- इको, हेरिटेज, हिमालयन एवं तटीय सर्कटि आदि जैसे वभिन्न वषियों के तहत 5315.59 करोड़ रुपए की राशि के साथ 76 परियोजनाएँ मंजूर की गई थीं।

आगे की राह

- ग्रामीण पर्यटन स्थल वशिष्ट रूप से उन क्षेत्रों के नज़दीक होने चाहिये जहाँ लोग आमतौर आवागमन करते हैं।

- ग्रामीण पर्यटन के लिये विकसित किये जाने वाले गंतव्यों के चयन हेतु गंतव्यों तक पहुँच पहला मानदंड होना चाहिये।
- गंतव्यों का प्रचार-प्रसार कारीगरों को अपने उत्पादों को बेहतर ढंग से बेचने में मदद करेगा और पर्यटकों की संख्या बढ़ाने हेतु परियोजना के उचित पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है।
- पर्यटन से उत्पन्न आय का उपयोग कला, नृत्य और लोकगीतों के जातीय रूपों के संरक्षण में किया जा सकता है। यह ग्रामीण लोगों के हितों की रक्षा करेगा तथा घरों से मीलों दूर जाकर आजीविका कमाने के उनके दबाव को कम करेगा।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. विकास की पहल और पर्यटन के नकारात्मक प्रभाव से परवतीय पारस्थितिकी तंत्र को कैसे बहाल किया जा सकता है? (मुख्य परीक्षा-2019)

प्रश्न. जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्य पर्यटन के कारण अपनी पारस्थितिकी वहन क्षमता की सीमा तक पहुँच रहे हैं। समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिये। (मुख्य परीक्षा- 2015)

[स्रोत: द द्रिष्टि](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rural-tourism-3>

